SSC GD 2025

अवसर बैच

हिंदी

वर्तनी

Part -5

LIVE 01-06-2024 11:00 AM

वर्तनी

नियम नं० ड़, ढ़ ताड़नजात व उत्क्षिप्त व्यंजन

ड़ , ढ़

द्विगुण व्यंजन कपड़े, चंडीगढ़

✓ (i) ताड़नजात ध्वनियों से कभी-भी किसी शब्द शुरुआत नही होती है।

× ढक्कन, डमरु | ✓ सड़क, लड़का लड़की

ढंग, डाल, ढोलक | गुड़गाँव, जड़, बढ़िया आदि

(ii) जब किसी शब्द पर अनुस्वार ं लगा होता है तो ताड़न जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा ढंग, डंडा, अंडा ✓ ठंडा, मेंढक

(iii) अंग्रेजी के शब्दों में कभी भी ताड़न जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

स्टूडियो ✓

✓ उदा :→ रोड, बैड, बोर्ड, रेडियो, बैडरूम, कार्ड, लीडर आदि ✓

(iv) द्वित्व व्यंजन आने पर कभी भी ताड़नजात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

ड़ड — ढ़ढ — ड़ ढ़

उदा :→ उड़डयन, लड्डू, टिड्डी, हड्डी, गड्डा, हवाई अड्डा, गुड्डू ✓, कबड्डी आदि ✓

(v) उपसर्ग के आने पर भी ताड़नजात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा :→ निडर → नि + डर

अनपढ़ → अन + पढ़ (अपवाद)

चिड़िया

लक्ष्मण
रावण

प्रकार
प्र + कार
उपकार

* (न) संबंधी नियम :→ पवन ×   हरिण

र, ऋ, ष, क, ख, ग, घ, प, फ, ब, भ आने पर
य, र, ल, व, (कोई स्वर) आने पर न — ण में बदल
दिया जाता है।

(न)
रामायण, विष्णु, घृणा
पुराण   तृष्णा   कृष्णा, आभूषण, आक्रमण

शुद्ध

(1) अंजलि

(2) अंगना

(3) आँगन

(4) अक्षुण्ण

(5) उर्मिला / निर्मल, दुर्बल

(6) अहल्या

(7) कौशल्या, कौसल्या

(8) कैलास

(9) अंत्याक्षरी / अन्त्याक्षरी

(10) अक्षौहिणी

(11) अभ्यस्त

(12) अन्तर्राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय

(13) आशीर्वाद

(14) आविष्कार

(15) अनधिकार

(16) अधीन

17. अंतर्धान | अन्तर्धान

18. अमावस्या

19. आध्यात्मिक (अध्यात्म + इक)

20. अतिशयोक्ति ✓